विषय-सूची

इकाई 1 अध्याय 1–2

स्रोत एवं उपागम

1. आधुनिक भारतीय इतिहास के स्रोत 1

पुरालेखीय सामग्री 2
केंद्र सरकार के पुरालेख 3
राज्य सरकारों के पुरालेख 3
तीन प्रेजिडेंसीज के पुरालेख 4
अन्य यूरोपीय शक्तियों के पुरालेख 4
न्यायिक अभिलेख 5
प्रकाशित अभिलेख 5
निजी पुरालेख 5
विदेशी संग्रहालयों की पुरालेख सामग्री 6
साहित्यिक स्रोत 7
जीवनी, संस्मरण एवं यात्रा-वृत्तांत 7
समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं 8
सृजनात्मक साहित्य 10
मौखिक प्रमाण 12
चित्रकला 12
सारांश 14

2. आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन के प्रमुख उपागम 15

औपनिवेशिक उपागम 15
राष्ट्रवादी उपागम 16
मार्क्सवादी उपागम 17
अधीनस्थ/उपाश्रित उपागम 18
संप्रदायवादी उपागम 19
कैम्ब्रिज स्कूल उपागम 19

उदारवादी एवं नव-उदारवादी उपागम 20
नारीवादी उपागम 20
सारांश 21

इकाई 2 अध्याय 3–5

भारत में यूरोपियों का आगमन एवं ब्रिटिश शासन का सुदृढ़ीकरण

3. भारत में यूरोपियों का आगमन 22

भारत में पुर्तगाली 24
समुद्री मार्ग की खोज एवं पुर्तगालियों का आगमन 24
व्यापार से शासन तक 25
पुर्तगालियों की व्यापारिक एवं राजनीतिक स्थिति 29
पुर्तगालियों ने मुगलों का विश्वास खोया 32
पुर्तगालियों का पतन 35
डच 37
भारत में डच व्यापार की स्थापना 37
डच-आंग्ल संघर्ष 39
भारत में डचों का पतन 39
अंग्रेज 41
महारानी एलिजाबेथ प्रथम का चार्टर 41
ईस्ट इंडिया कंपनी की प्रगति 41
पुर्तगालियों एवं डचों के साथ अंग्रेजों का संघर्ष 44
अंग्रेजों के व्यापार एवं विस्तार का प्रभाव 46
फ्रांसीसी 47
भारत में फ्रांसीसी केंद्रों की स्थापना 47
सर्वोच्चता हेतु आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्षः कर्नाटक युद्ध 48
फ्रांसीसियों की असफलता के कारण 57
डेन्स 59
अन्य यूरोपीय शक्तियों की तुलना में अंग्रेज सफल क्यों हुए 60
व्यापारिक कंपनियों की संरचना एवं प्रकृति 60
नौसैन्य सर्वोच्चता 60

औद्योगिक क्रांति 62
सैन्य कौशल एवं अनुशासन 62
स्थायी सरकार 63
धर्म के प्रति न्यून उत्साह 63
ऋण बाजार का उपयोग 63
सारांश 63
बॉक्स
पुर्तगालियों का उत्थान एवं पतन 36
ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रारंभिक वर्ष 45
भारत में डूप्ले का उत्थान एवं पतन 53
यूरोप व्यापार की संरचना 61

4. ब्रिटिश विजय के समय भारत की स्थिति 67

मुगलों के समक्ष चुनौतियां 67
बाह्य चुनौतियां 67
औरंगजेब के पश्चात कमजोर शासक—एक आंतरिक चुनौती 69
मुगल साम्राज्य के विघटन के कारण 72
दो वर्गों द्वारा राज्य शक्ति में हिस्सेदारी 73
विभिन्न क्षेत्रीय शक्तिशाली समूहों का उद्‌गम 74
आर्थिक एवं प्रशासनिक समस्याएं 76
स्वायत्त क्षेत्रीय राज्यों का उदय 77
क्षेत्रीय साम्राज्यों का सर्वेक्षण 78
क्षेत्रीय राज्यतंत्रों की प्रकृति एवं सीमाएं 85
सामाजिक-आर्थिक दशाएं 86
कृषि 86
व्यापार एवं उद्योग 87
शैक्षिक स्थिति 88
सामाजिक व्यवस्था 88
कला, स्थापत्य एवं संस्कृति का विकास 90
सारांश 91
बॉक्स
पानीपत में साम्राज्य ध्वस्त करने वाली लड़ाइयां क्यों हुईं? 69
संक्षेप में मुगलों के पतन के कुछ मुख्य कारण 76

5. भारत में ब्रिटिश शक्ति का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण 93

ब्रिटिश साम्राज्य का इतिहास 93
ब्रिटिश विजयः संयोगवश या उद्देश्यपूर्ण 94
भारत में ब्रिटिश काल की शुरुआत कब हुई? 95
भारत में ब्रिटिश सफलता के कारण 96
उत्कृष्ट हथियार, सेना, एवं रणनीति 96
बेहतर सैन्य अनुशासन तथा नियमित वेतन 96
असैनिक अनुशासन एवं निष्पक्ष चयन प्रणाली 97
मेधावी नेतृत्व एवं तैयार द्वितीय पंक्ति का नेतृत्व 97
वित्तीय सुदृढ़ता 97
ब्रिटिश राष्ट्रवादी गौरव 98
अंग्रेजों की बंगाल विजय 98
ब्रिटिश विजय से पूर्व का बंगाल 98
अलीवर्दी खां और अंग्रेज 99
सिराज-उद-दौला के सम्मुख चुनौतियां 100
प्लासी का युद्ध 102
मीर जाफर तथा अंग्रेज 103
मीर कासिम की अंग्रेजों के साथ संधि 104
बक्सर का युद्ध 104
इलाहाबाद की संधि 106
प्लासी एवं बक्सर के युद्धों का महत्व 107
बंगाल में द्वैध शासन (1765-72) 107
कंपनी के विरुद्ध मैसूर का प्रतिरोध 109
वोडेयार/मैसूर वंश 109
हैदर अली का उदय 110
प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767-1769) 110
द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780-84) 111
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1790-1792) 112
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (मार्च 1799-मई 1799) 113
टीपू सुल्तान के पश्चात मैसूर 115
सर्वोच्चता हेतु आंग्ल-मराठा संघर्ष 115
मराठा शक्ति का उदय 115

विषय-सूची

मराठा राजनीति में अंग्रेजों का प्रवेश 116
प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (1775-82) 116
द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-1805) 118
तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-19) 121
मराठा शक्ति की पराजय के कारण 123
सिंध विजय 126
तालपुर अमीरों का उदय 127
सिंध पर क्रमिक प्रभुत्व 127
सिंध विजय की आलोचना 130
पंजाब विजय 131
सिखों के अधीन पंजाब का एकीकरण 131
रणजीत सिंह एवं अंग्रेज 131
रणजीत सिंह के पश्चात पंजाब 132
प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध (1845-1846) 133
द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध (1848-49) 134
आंग्ल-सिख युद्धों का महत्व 135
ब्रिटिश प्रभुता का प्रशासनिक नीति द्वारा विस्तार 135
घेरे (रिंग-फेंस) की नीति 135
सहायक संधि 136
व्यपगत का सिद्धांत (डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स) 137
ब्रिटिश भारत के सीमावर्ती देशों के साथ संबंध 141
आंग्ल-भूटान संबंध 142
आंग्ल-नेपाल संबंध 142
आंग्ल-बर्मा संबंध 143
आंग्ल-तिब्बत संबंध 146
आंग्ल-अफगान संबंध 151
ब्रिटिश भारत एवं उत्तर-पश्चिम सीमावर्ती प्रदेश 155
सारांश 156

बॉक्स

रॉबर्ट क्लाइव 106
टीपू सुल्तान का आकलन 114
अवध का समामेलन 136
अफीम युद्ध 149

इकाई 3 अध्याय 6–7

कंपनी शासन के विरुद्ध बढ़ता विद्वेष

6. 1857 से पूर्व एवं पश्चात ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध जन-असंतोष 158

जन-विद्रोह 158
जन-विद्रोह का उद्‍भव 159
जिम्मेदार कारक 159
नागरिक विद्रोह 160
नागरिक विद्रोह के प्रमुख कारण 160
नागरिक विद्रोह की सामान्य विशेषताएं 161
प्रमुख नागरिक विद्रोह 161
किसान आंदोलन 174
फुलागुरी धेवा/धावा या विद्रोह (1861) 175
नील विद्रोह (1859-60) 176
पथरुघाट विद्रोह (1894) 177
बिजौलिया किसान आंदोलन (1897-1941) 178
हरसे छीना मोघा मोर्चा (1946-47) 180
आदिवासी विद्रोह 180
मुख्य भूमि एवं पूर्वोत्तर आदिवासी विद्रोहों के विभिन्न कारण 181
आदिवासी विद्रोहों की विशेषताएं 182
कुछ महत्वपूर्ण आदिवासी आंदोलन 183
1857 के बाद के कुछ आदिवासी आंदोलन 196
पूर्वोत्तर के आदिवासी आंदोलन 200
संक्षेप में अन्य विरोध आंदोलन 206
सिपाही विद्रोह 207
कारण 207
महत्वपूर्ण विद्रोह 208
जन-विद्रोहों की कमजोरियां 208
सारांश 209
बॉक्स
आदिवासी आंदोलनों के चरण 182

7. 1857 का विद्रोह 215

धीमी गति से बढ़ता असंतोष 215

विषय-सूची

1857 का विद्रोहः मुख्य कारण 216
आर्थिक कारण 216
राजनैतिक कारण 217
प्रशासनिक कारण 217
सामाजिक-धार्मिक कारण 218
बाहरी घटनाओं का प्रभाव 218
सिपाहियों के बीच असंतोष 218
विद्रोह का प्रारंभ एवं विस्तार 219
विद्रोह की चिंगारी 219
क्रांति की शुरुआत 221
प्रतीकात्मक प्रमुख के रूप में बहादुरशाह जफर का चुनाव 222
विद्रोह में लोगों की सहभागिता 222
विद्रोह के प्रमुख केंद्र एवं नेतृत्वकर्ता 223
विद्रोह का दमन 226
विद्रोह असफल क्यों हुआ? 227
अखिल भारतीय सहभागिता का अभाव 227
सभी वर्गों का शामिल न होना 228
एक संगठित एवं एकबद्ध विचारधारा का अभाव 228
निश्चित समय की प्रतीक्षा न करना 228
देशी राजाओं का देशद्रोही रुख 229
सांप्रदायिकता का खेल 229
संपूर्ण देश में प्रसारित न होना 229
शस्त्रास्त्रों का अभाव 229
सहायक साधनों का अभाव 230
सैनिक संख्या में अंतर 230
हिंदू-मुस्लिम एकता 230
विद्रोह की प्रकृति 231
विद्रोह के परिणाम 234
विद्रोह का महत्व 239
सारांश 239
बॉक्स
अफवाहें और उनकी स्वीकृति 220
श्वेत विद्रोह (व्हाइट म्युटिनी) 236

इकाई 4 अध्याय 8–9

सुधार आंदोलन

8. सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनः साधारण विशेषताएं 242

सुधार की भावना को बल देने वाले कारक 242
ब्रिटिश शासन का प्रभाव 243
सामाजिक दशाओं के कारण सुधार 243
पाश्चात्य संस्कृति का विरोध 244
प्रबुद्ध भारतीयों में नवीन जागृति 244
सुधार का सामाजिक एवं विचारधारात्मक आधार 245
मध्य वर्ग का आधार 245
बौद्धिक कसौटी 246
सुधार आंदोलनों की दो धाराएं 247
सामाजिक सुधार की दिशा 248
स्त्रियों की दशा में सुधार के प्रयास 249
जाति आधारित शोषण के विरुद्ध संघर्ष 256
सारांश 262

9. सुधार आंदोलनों एवं सुधारकों का अवलोकन 264

आंदोलन एवं सुधारक 264
ब्रह्म समाज 264
समाज सुधार हेतु राजा राममोहन राय के प्रयास 268
यंग बंगाल आंदोलन तथा हेनरी विवियन डेरोजियो 270
ईश्वरचन्द्र विद्यासागर 271
बालशास्त्री जाम्बेकर 271
परमहंस मंडली 272
दादोबा पांडुरंग तर्खडकर 272
प्रार्थना समाज 273
ज्योतिराव फुले एवं सावित्रीबाई फुले 273
ताराबाई शिंदे 275
विष्णु परशुराम शास्त्री पंडित 276
धोंडो केशव कर्वे 276

विषय-सूची

रामकृष्ण गोपाल भंडारकर	277
काशीनाथ त्र्यंबक तेलंग	277
भाऊ दाजी लाड	277
गोपाल बाबा वलंगकर	278
किसन फागुजी बनसोड	279
विट्ठल रामजी शिंदे	279
गोपालहरि देशमुख 'लोकहितवादी'	280
गोपाल गणेश अगरकर	281
द सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	281
सोशल सर्विस लीग	281
रामकृष्ण आंदोलन एवं स्वामी विवेकानंद	282
विष्णु भीकाजी गोखले	285
थियोसोफिकल आंदोलन	285
इंडियन सोशल कॉन्फ्रेंस	286
दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज	287
सेवा सदन	289
देव समाज	289
धर्म सभा	290
भारत धर्म महामंडल	290
राधास्वामी आंदोलन	291
कुंदुकूरि वीरेशलिंगम	291
श्री नारायण गुरु धर्म परिपालन (एसएनडीपी) आंदोलन	292
जस्टिस पार्टी	293
आत्म-सम्मान आंदोलन	293
मंदिर प्रवेश आंदोलन	294
वहाबी वलीउल्लाह आंदोलन	296
टीटू मीर का आंदोलन	296
फरायजी आंदोलन	296
अहमदिया आंदोलन	297
सर सैय्यद अहमद खान एवं अलीगढ़ आंदोलन	297
देवबंद स्कूल (दारूल उलूम)	299
पारसी सुधार आंदोलन	301

सिख सुधार आंदोलन 301
सुधार आंदोलनों का महत्व 305
सकारात्मक पहलू 305
नकारात्मक पहलू 306
सारांश 307
बॉक्स
बब्बर अकाली आंदोलन 304

इकाई 5 अध्याय 10–11
स्वतंत्रता संघर्ष का आरंभ

10. भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद का प्रारंभ 309

भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के लिए उत्तरदायी कारक 310
भारतीय एवं उपनिवेशी हितों में संघर्ष 310
देश का राजनीतिक, प्रशासनिक एवं आर्थिक एकीकरण 310
पाश्चात्य चिंतन तथा शिक्षा 311
प्रेस एवं साहित्य की भूमिका 312
भारत के अतीत का पुनः अध्ययन 313
सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों का विकासात्मक स्वरूप 314
मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों का उत्थान 314
समकालीन घटनाओं का विश्वव्यापी प्रभाव 314
विदेशी शासकों का नस्लीय अहंकार तथा प्रतिक्रियावादी नीतियां 315
राष्ट्रवाद का प्रारंभिक आविर्भावः राजनीतिक संस्थाएं 316
बंगाल में राजनीतिक संस्थाएं 316
बॉम्बे में राजनीतिक संस्थाएं 318
मद्रास में राजनीतिक संस्थाएं 318
अग्रणी राष्ट्रीय संगठन 318
कांग्रेस से पहले चलाए गए अभियान 320
सारांश 320

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः स्थापना एवं उदारवादी चरण 322

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 322
क्या कांग्रेस की स्थापना के पीछे 'सेफ्टी वॉल्व' की अवधारणा थी? 323
कांग्रेस के लक्ष्य एवं उद्देश्य 324

कांग्रेस का उदारवादी चरण (1885-1905) 324
प्रमुख नेता 324
उदारवादी उपागम 325
उदारवादी राष्ट्रवादियों का योगदान 325
ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आर्थिक नीतियों की आलोचना 325
व्यवस्थापिका में संवैधानिक सुधार एवं अधिप्रचार 326
सामान्य प्रशासकीय सुधारों हेतु उदारवादियों के प्रयास 328
नागरिक अधिकारों की सुरक्षा 329
प्रारंभिक राष्ट्रवादियों के कार्यों का मूल्यांकन 330
जन-साधारण की भूमिका 330
ब्रिटिश सरकार का रुख 332
सारांश 333
बॉक्स
भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 327

इकाई 6 अध्याय 12–14
राष्ट्रीय आंदोलन (1905–1918)

12. उग्र-राष्ट्रवाद का युग (1905-1909) 334

उग्र-राष्ट्रवाद के उदय के कारण 335
अंग्रेजी राज्य के सही स्वरूप की पहचान 335
आत्मविश्वास तथा आत्म-सम्मान में वृद्धि 336
शिक्षा का विकास 337
अंतरराष्ट्रीय प्रभाव 337
बढ़ते हुए पश्चिमीकरण के विरुद्ध प्रतिक्रिया 338
उदारवादियों की उपलब्धियों से असंतोष 338
कर्जन की प्रतिक्रियावादी नीतियां 338
जुझारू राष्ट्रवादी विचारधारा का अस्तित्व 339
एक प्रशिक्षित नेतृत्व का उद्भव 339
स्वदेशी एवं बहिष्कार आंदोलन 340
लोगों को विभाजित करने हेतु बंगाल का विभाजन 340
उदारवादियों द्वारा बंगाल विभाजन का विरोध (1903-1905) 341
कांग्रेस की स्थिति 342

उग्र-राष्ट्रवादियों के नेतृत्व में आंदोलन 342
उग्र-राष्ट्रवादियों का कार्यक्रम 343
संघर्ष का नया स्वरूप एवं प्रभाव 344
जनसहभागिता का दायरा 347
आंदोलन का अखिल भारतीय पहलू 349
बंगाल विभाजन का लोप 349
स्वदेशी आंदोलन का मूल्यांकन 350
स्वदेशी आंदोलन की असफलता 350
आंदोलन एक क्रांतिकारी परिवर्तन सिद्ध हुआ 350
सूरत विभाजन 353
सूरत का रुख 353
विभाजन सुनिश्चित होना 355
सरकार द्वारा दमन 355
सरकार की रणनीति 356
मॉर्ले-मिंटो सुधार (1909) 357
मुख्य सुधार 358
सुधार का मूल्यांकन 359
सारांश 361
बॉक्स
उदारवादियों एवं उग्रवादियों में अंतर 352

13. क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रथम चरण (1907-1917) 365

क्रांतिकारी गतिविधियों की लहर 365
क्रांतिकारी कार्यक्रम 366
क्रांतिकारी गतिविधियों का अवलोकन 366
बंगाल 366
महाराष्ट्र 368
पंजाब 369
दिल्ली 370
विदेशों में क्रांतिकारी गतिविधियां 370
क्रांतिकारी गतिविधियों में धीमापन 376
सारांश 377
बॉक्स
डॉ. पांडुरंग सदाशिव खानखोजे 374

14. प्रथम विश्व युद्ध एवं राष्ट्रवादी प्रत्युत्तर 380

त्रिविध राष्ट्रवादी प्रत्युत्तर 380
होमरूल लीग आंदोलन 381
आंदोलन हेतु उत्तरदायी कारक 381
लीग 382
होमरूल लीग आंदोलन कार्यक्रम 383
लीग के प्रति सरकार का रुख 384
क्या कारण था कि 1919 तक आते-आते आंदोलन धीमा पड़ गया? 385
होमरूल लीग आंदोलन की उपलब्धियां 386
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन (1916) 386
अतिवादियों का कांग्रेस में पुनः प्रवेश 386
कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता 387
मोंटेग्यू की अगस्त 1917 की घोषणा 390
मोंटेग्यू घोषणा का महत्व 390
भारतीयों की आपत्ति 390
सारांश 391

इकाई 7 अध्याय 15–21

जन-राष्ट्रवाद के युग का शुभारंभ (1919–1939)

15. गांधी का अभ्युदय 393

राष्ट्रवाद के पुनः जीवंत होने के कारण 393
युद्धोपरांत आर्थिक कठिनाइयां 393
युद्ध में सहयोग के बदले राजनीतिक लाभ की अपेक्षाएं 394
विश्वव्यापी साम्राज्यवाद से राष्ट्रवादियों का मोहभंग 394
रूसी क्रांति का प्रभाव 395
मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार और भारत सरकार अधिनियम, 1919 396
अधिनियम के प्रमुख प्रावधान 396
अधिनियम का मूल्यांकन 399
कांग्रेस की प्रतिक्रिया 400
गांधी जी का अभ्युदय 401

प्रारंभिक जीवन तथा दक्षिण अफ्रीका में सत्य का प्रयोग 401
दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के अनुभव 404
गांधी जी की सत्याग्रह की तकनीक 405
गांधी जी की भारत वापसी 405
चम्पारण सत्याग्रह (1917)—प्रथम सविनय अवज्ञा 406
अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)—प्रथम भूख हड़ताल 407
खेड़ा सत्याग्रह (1918)—प्रथम असहयोग 408
चम्पारण, अहमदाबाद तथा खेड़ा में गांधी जी की उपलब्धियां 408
रौलेट एक्ट, सत्याग्रह, और जलियांवाला बाग जनसंहार 409
रौलेट एक्ट 409
रौलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह—प्रथम जनांदोलन 409
जलियांवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919) 410
हंटर जांच आयोग 412
कांग्रेस का दृष्टिकोण 414
सारांश 414
बॉक्स
टॉल्सटॉय फार्म 403

16. खिलाफत एवं असहयोग आंदोलन 416

पृष्ठभूमि 416
खिलाफत का मुद्दा 417
खिलाफत-असहयोग कार्यक्रम 418
खिलाफत के प्रश्न पर कांग्रेस का रवैया 418
कांग्रेस को मुस्लिम लीग का समर्थन 419
असहयोग-खिलाफत आंदोलन 419
आंदोलन का प्रसार 421
जन-प्रतिक्रिया 423
ब्रिटिश सरकार की प्रतिक्रिया 426
आंदोलन का अंतिम चरण 426
गांधी जी ने आंदोलन वापस क्यों लिया 428
खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन का मूल्यांकन 429
सारांश 430
बॉक्स
सीताराम राजू और रंपा विद्रोहः उग्रवादी समानांतर आंदोलनों की निरंतरता 424

17. स्वराजियों, समाजवादी विचारों, क्रांतिकारी गतिविधियों एवं अन्य नवीन शक्तियों का उदय 431

स्वराजी एवं परिवर्तन विरोधी 431
कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी का उदय 431
स्वराजियों का तर्क 432
परिवर्तन विरोधियों का तर्क 433
सहमति से असहमति 433
स्वराजियों का चुनाव घोषणा-पत्र 433
गांधी जी का रुख 434
विधानमंडलों में स्वराजियों की गतिविधियां 435
परिवर्तन विरोधियों के रचनात्मक कार्य 436
नई शक्तियों—समाजवादी विचार, युवा शक्ति, व्यापार संघ—का उदय 437
समाजवादी एवं मार्क्सवादी विचारों का प्रसार 438
भारतीय युवाओं की सक्रियता 439
किसानों के प्रदर्शन 439
व्यापार संघ का विकास 439
जातीय आंदोलन 440
क्रांतिकारी गतिविधियों का समाजवाद की ओर झुकाव 440
1920 के दशक में क्रांतिकारी गतिविधियां 440
असहयोग आंदोलन के पश्चात लोग क्रांतिकारी गतिविधियों की ओर आकर्षित क्यों हुए? 440
प्रमुख प्रभावी कारक 441
पंजाब-संयुक्त प्रांत-बिहार में 442
बंगाल में 445
सरकार की प्रतिक्रिया एवं पतन 448
क्रांतिकारी दर्शन का प्रतिपादन 448
सारांश 451

18. साइमन कमिशन एवं नेहरू रिपोर्ट 453

सुधारों की प्रगति की समीक्षा हेतु उठाए गए कदम 453
भारतीय विधिक आयोग की नियुक्ति 454
भारतीय प्रतिक्रिया 454
पुलिस का दमन 456

राष्ट्रीय आंदोलन पर साइमन कमिशन की नियुक्ति का प्रभाव 456
साइमन कमिशन की अनुशंसाएं 457
नेहरू रिपोर्ट 457
मुख्य अनुशंसाएं 458
मुस्लिम एवं हिंदू सांप्रदायिक प्रतिक्रिया 460
जिन्ना द्वारा प्रस्तुत संशोधन 461
नेहरू रिपोर्ट से असंतुष्टि 462
सारांश 463
बॉक्स
डॉ. अंबेडकर एवं साइमन कमिशन 455
साइमन कमिशन रिपोर्ट तथा नेहरू रिपोर्ट में अंतर 459

19. सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं गोलमेज सम्मेलन 464

सविनय अवज्ञा आंदोलन की पृष्ठभूमि का निर्माण 464
कांग्रेस का कलकत्ता अधिवेशन 464
1929 के दौरान राजनीतिक गतिविधियां 465
लॉर्ड इरविन की घोषणा (31 अक्टूबर, 1929) 465
दिल्ली घोषणा-पत्र 466
लाहौर अधिवेशन और पूर्ण स्वराज्य 466
26 जनवरी, 1930: स्वतंत्रता की शपथ 468
सविनय अवज्ञा आंदोलन—नमक सत्याग्रह एवं अन्य विप्लव 469
गांधी जी की ग्यारह सूत्रीय मांगें 469
नमक को केंद्रीय मुद्दे के रूप में क्यों चुना गया 470
दांडी मार्च (12 मार्च-6 अप्रैल, 1930) 470
नमक कानून की अवज्ञा का प्रसार 471
प्रदर्शन का प्रभाव 477
जन सहभागिता की व्यापकता 477
सरकार की प्रतिक्रिया—संघर्ष-विराम के प्रयास 478
गांधी-इरविन समझौता 479
सविनय अवज्ञा आंदोलन का मूल्यांकन 480
कांग्रेस का कराची अधिवेशन—1931 482
कराची में कांग्रेस का प्रस्ताव 482
गोलमेज सम्मेलन 486

प्रथम गोलमेज सम्मेलन 486
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 487
तृतीय गोलमेज सम्मेलन 488
सविनय अवज्ञा आंदोलन का पुनः प्रारंभ 488
संघर्ष-विराम का काल (मार्च-दिसंबर 1931) 488
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के पश्चात सरकार का परिवर्तित रवैया 489
सरकार की कार्रवाई 489
जनता की प्रतिक्रिया 490
साम्प्रदायिक अधिनिर्णय और पूना समझौता 490
साम्प्रदायिक अधिनिर्णय के प्रमुख प्रावधान 491
कांग्रेस का पक्ष 492
गांधी जी की प्रतिक्रिया 492
पूना समझौता 493
पूना समझौते (पैक्ट) का दलितों पर प्रभाव 494
गांधी जी का हरिजन अभियान एवं जाति संबंधी विचार 495
गांधी जी तथा अंबेडकर के मध्य वैचारिक भिन्नता और समानता 498
सारांश 501
बॉक्स
ध्वज का अंगीकरण 485

20. सविनय अवज्ञा आंदोलन के पश्चात भविष्य की रणनीति पर बहस 503

प्रथम चरण की बहस 503
नेहरू के विचार 504
नेहरू द्वारा संघर्ष-विराम-संघर्ष की रणनीति का विरोध 505
सत्ता में भागीदारी पर सहमति 505
भारत सरकार अधिनियम, 1935 506
अधिनियम की मुख्य विशेषतायें 507
अधिनियम का मूल्यांकन 510
राष्ट्रवादियों की प्रतिक्रिया 511
द्वितीय चरण की रणनीति पर बहस 512
मत-भिन्नता 512
गांधी जी की स्थिति 513
कांग्रेस का चुनाव घोषणा-पत्र 513
कांग्रेस का प्रदर्शन 513
सारांश 514

21. प्रांतों में कांग्रेस शासन **515**

गांधी जी की सलाह 515

कांग्रेस मंत्रालयों के अधीन कार्य 515

नागरिक स्वतंत्रता 515

कृषि सुधार 516

मजदूरों के प्रति नजरिया 517

समाज कल्याण संबंधी सुधार 518

मूल्यांकन 519

सारांश 520

इकाई 8 अध्याय 22–25

स्वतंत्रता एवं विभाजन की ओर (1939–1947)

22. द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया **521**

संघर्ष के तरीकों को लेकर कांग्रेस में द्वंद्व 521

हरिपुरा एवं त्रिपुरी अधिवेशनः सुभाष चंद्र बोस के विचार 522

गांधी जी एवं सुभाषः विचारधारात्मक मतैक्यता एवं भिन्नता 525

द्वितीय विश्व युद्ध एवं राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया 528

वायसराय को कांग्रेस का प्रस्ताव 528

कांग्रेस कार्यसमिति की वर्धा में बैठक 528

सरकार का दृष्टिकोण तथा कांग्रेस मंत्रिमंडल द्वारा त्यागपत्र 529

सरकार की गुप्त कार्यनीति 530

अगस्त प्रस्ताव 533

प्रत्युत्तर 534

मूल्यांकन 534

व्यक्तिगत सत्याग्रह 534

गांधी जी ने नेहरू को अपना उत्तराधिकारी नामित किया 536

क्रिप्स मिशन 537

क्रिप्स मिशन क्यों भेजा गया 537

मुख्य प्रावधान 537

क्रिप्स मिशन के प्रस्तावों का पूर्ववर्ती प्रस्तावों से भिन्न होना 538

क्रिप्स मिशन क्यों असफल हुआ 538

सारांश 541

बॉक्स

महत्वपूर्ण तिथियां 535

23. भारत छोड़ो आंदोलन, आजाद हिन्द फौज एवं पाकिस्तान की मांग 544

भारत छोड़ो आंदोलन 544

संघर्ष क्यों अपरिहार्य हो गया? 544

'भारत छोड़ो' प्रस्ताव 545

विभिन्न वर्गों को गांधी जी द्वारा दिये गये निर्देश 546

आंदोलन का प्रसार 546

आंदोलन में जनता की भागीदारी 548

सरकारी दमन 549

मूल्यांकन 549

गांधी जी का उपवास 550

1943 का अकाल 551

राजगोपालाचारी फॉर्मूला, 1944 551

फॉर्मूला 551

देसाई-लियाकत समझौता 552

वेवेल योजना 553

सरकार समस्या के समाधान हेतु क्यों तत्पर थी? 553

योजना 553

मुस्लिम लीग का मत 554

कांग्रेस का पक्ष 554

वेवेल की भूल 554

आजाद हिन्द फौज और सुभाष चंद्र बोस 555

आजाद हिन्द फौज का उदय तथा प्रथम चरण 556

आईएनए का दूसरा चरण 557

सारांश 559

24. युद्धोपरांत राष्ट्रीय परिदृश्य 561

राष्ट्रीय विप्लव के दो पहलू 561

सरकार के दृष्टिकोण में परिवर्तन 561

कांग्रेस का चुनाव अभियान एवं आजाद हिन्द फौज पर मुकदमा 562

राष्ट्रवादी उद्देश्यों हेतु चुनाव प्रचार 563

आईएनए के युद्धबंदियों को कांग्रेस का समर्थन 564
आईएनए के युद्धबंदियों के समर्थन में आंदोलन 564
1945-46 की सर्दियों में—विद्रोह की तीन घटनायें 565
त्रि-स्तरीय पैटर्न 566
विद्रोह की तीनों घटनाओं की शक्ति तथा उनके प्रभाव का मूल्यांकन 567
कांग्रेस की रणनीति 569
चुनाव परिणाम 570
कांग्रेस का प्रदर्शन 570
मुस्लिम लीग का प्रदर्शन 571
चुनाव के महत्वपूर्ण बिंदु 571
कैबिनेट मिशन 571
भारत से अंग्रेजों की वापसी क्यों अपरिहार्य प्रतीत होने लगी 572
कैबिनेट मिशन योजना की पूर्व संध्या 573
कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव 574
समूहन व्यवस्था के संबंध में भिन्न-भिन्न व्याख्याएं 576
प्रमुख मत 577
स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता 577
सांप्रदायिक विध्वंस और अंतरिम सरकार 578
सरकार की प्राथमिकताओं में परिवर्तन 578
अंतरिम सरकार 578
मुस्लिम लीग की गतिरोध उत्पन्न करने की मानसिकता तथा भविष्य की रणनीति 580
भारत में सांप्रदायिकता का जन्म एवं विकास 581
भारतीय सांप्रदायिकता की विशिष्टतायें 581
सांप्रदायिकता के कारण 582
द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का उद्भव 585
सारांश 591
बॉक्स
वेवेल का 'ब्रेकडाउन प्लान' 577

25. स्वतंत्रता एवं विभाजन 594

एटली की घोषणा 594
एटली की घोषणा के प्रमुख बिंदु 594

सरकार ने सत्ता हस्तांतरण हेतु तिथि निर्धारित क्यों की? 595
कांग्रेस का रुख 595
स्वतंत्रता एवं विभाजन 595
माउंटबैटन वायसराय के रूप में 596
माउंटबैटन योजना (3 जून, 1947) 596
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 599
अंग्रेजों की जल्द वापसी के निर्णय से उत्पन्न समस्याएं 601
राज्यों का एकीकरण 601
विभाजन की अनिवार्यता 603
कांग्रेस ने विभाजन क्यों स्वीकार किया? 605
गांधी जी की असमर्थता 607
अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर बाध्य करने वाली शक्तियां 607
ऐतिहासिक उद्देश्य का सिद्धांत 607
साम्राज्यवाद का पतन 607
दो महान शक्तियों का उदय 608
इंग्लैंड में लेबर पार्टी का उदय 608
भारतीय राष्ट्रवाद को रोकने में अंग्रेजों की विफलता 608
विस्फोटक परिस्थितियां तथा कानून व्यवस्था की स्थिति 609
भारतीय नौसेना का विद्रोह 609
वामपंथ का उभरना 609
द्वि-विकल्प सिद्धांत 610
राष्ट्रमंडल का विकल्प 610
सारांश 610
बॉक्स
प्लान बाल्कन 600

इकाई 9 अध्याय 26–32

ब्रिटिश शासन के अधीन भारतः शासन एवं अन्य पहलू

26. संवैधानिक, प्रशासनिक एवं न्यायिक विकास 612
1773 और 1858 के मध्य संवैधानिक विकास 612
रेग्यूलेटिंग एक्ट, 1773 613
पिट्स इंडिया एक्ट, 1784 615

अधिनियम, 1786 616
चार्टर एक्ट, 1793 616
चार्टर एक्ट, 1813 617
चार्टर एक्ट, 1833 618
चार्टर एक्ट, 1853 620
भारत के शासन को बेहतर बनाने के लिये 1858 का अधिनियम 622
1858 के बाद से स्वतंत्रता प्राप्ति तक संवैधानिक विकास 623
भारतीय परिषद अधिनियम, 1861 623
भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 625
भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 626
भारत सरकार अधिनियम, 1919 628
साइमन कमिशन 633
भारत सरकार अधिनियम, 1935 635
भारत में सिविल सेवाओं का विकास 638
कॉर्नवालिस की भूमिका 638
वेलेजली की भूमिका 638
चार्टर अधिनियम, 1853 638
भारतीय सिविल सेवा अधिनियम, 1861 639
सांविधिक सिविल सेवा 640
कांग्रेस की मांग और एचिसन कमेटी 640
मोंटफोर्ड सुधार 1919 640
ली आयोग 1924 641
भारत सरकार अधिनियम, 1935 के अंतर्गत सिविल सेवा 641
ब्रिटिश शासन के अंतर्गत सिविल सेवाओं का मूल्यांकन 641
आधुनिक भारत में पुलिस व्यवस्था का सूत्रपात 642
ब्रिटिश शासनाधीन सेना 644
ब्रिटिश भारत में न्यायपालिका का विकास 647
वॉरेन हेस्टिंग्स के अधीन सुधार (1772-85) 647
कॉर्नवालिस (1786-93) के अधीन सुधार—शक्तियों का पृथक्करण 648
विलियम बैंटिंक के अधीन सुधार (1828-35) 649
पश्चातवर्ती विकास 649
मूल्यांकन 650
ब्रिटिश शासन के अधीन न्यायपालिका के सकारात्मक पहलू 650

नकारात्मक पहलू 650
1857 के पश्चात प्रशासनिक संरचना में प्रमुख परिवर्तन 651
प्रशासनिक परिवर्तनों की उत्पत्तिः औपनिवेशीकरण का नवीन चरण 651
प्रशासनः केंद्रीय, प्रांतीय एवं स्थानीय 652
केंद्रीय सरकार 652
प्रांतीय सरकार 653
स्थानीय निकाय 654
सारांश 659
बॉक्स
सीमित मताधिकार और महिलाओं द्वारा मतदान 634

27. भारत में ब्रिटिश नीतियों का सर्वेक्षण 661

प्रशासनिक नीतियां 661
बांटो एवं राज करो की नीति 661
शिक्षित भारतीयों के प्रति द्वेष 662
जमींदारों के प्रति दृष्टिकोण 662
सामाजिक सुधारों के प्रति दृष्टिकोण 663
अविकसित सामाजिक सेवायें 663
श्रमिक विधान 663
प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध 665
रंगभेद की नीति 666
भू-राजस्व नीतियां 666
हेस्टिंग्स की व्यवस्था 667
स्थायी बंदोबस्त 667
रैयतवाड़ी व्यवस्था 671
महालवाड़ी पद्धति 672
ब्रिटिश भू-राजस्व व्यवस्था का समग्र प्रभाव 673
भारत में अंग्रेजों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक नीति 674
नये विचारों की विशेषताएं 675
विचारधाराएं या सिद्धांत 675
भारतीय पुनर्जागरण 676
सरकार के सम्मुख असमंजस की स्थिति 677

ईसाई मिशनरियों की भूमिका 677
ब्रिटिश नीति का बदलना 677
भारतीय रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति 678
भारत में ब्रिटिश विदेश नीति 679
सारांश 679

28. भारत में ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव 681

अनौद्योगीकरण—भारतीय हस्तशिल्प का ह्रास 683
एकतरफा मुक्त व्यापार 683
आधुनिक औद्योगिकीकरण की दिशा में कोई प्रयास नहीं 683
गांवों की ओर गमन 684
कृषकों की बढ़ती दरिद्रता 684
पुराने जमींदारों की तबाही तथा बिचौलियों का उदय 685
कृषि की बिगड़ती दशा एवं गतिरोध 685
अकाल एवं निर्धनता 685
भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण 686
उद्योगों का विनाश एवं आधुनिक उद्योगों का विलंबित विकास 687
राष्ट्रीय बुर्जुआ वर्ग का उदय 688
औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था की राष्ट्रवादी आलोचना 689
आर्थिक निकास 689
ब्रिटिश नीतियों ने भारत को निर्धन बनाया 690
व्यापार और रेल की प्रगति ने ब्रिटेन को लाभ पहुंचाया 692
एकमार्गी मुक्त व्यापार और प्रशुल्क नीति 692
आर्थिक निकास के प्रभाव 693
आर्थिक मामलों ने राष्ट्रीय असंतोष को उग्र बनाया 693
भारत में उपनिवेशवाद के चरण 693
प्रथम चरण 694
द्वितीय चरण 694
तृतीय चरण 696
सारांश 697

बॉक्स

इकोनॉमिक ड्रेन 690

29. भारत में प्रेस का विकास 698

प्रारंभिक विनियमन 698
प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने हेतु प्रारंभिक राष्ट्रवादियों के प्रयास 699
वर्नैक्युलर प्रेस एक्ट, 1878 701
राष्ट्रवादी पत्रकारों का दमन जारी 702
प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एवं उसके पश्चात 705
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 705
स्वतंत्रता के पश्चात 705
सारांश 707

30. शिक्षा का विकास 708

कंपनी शासन के अंतर्गत 708
1813 के चार्टर एक्ट से प्रशंसनीय शुरुआत 709
आंग्ल-प्राच्य विवाद 710
लॉर्ड मैकाले का स्मरण-पत्र, 1835 710
थॉमसन के प्रयास 711
चार्ल्स वुड का डिस्पैच (1854) 711
क्राउन के शासनाधीन शिक्षा का विकास 712
हंटर शिक्षा आयोग (1882-83) 712
भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904 713
शिक्षा नीति पर सरकारी प्रस्ताव, 1913 714
सैडलर विश्वविद्यालय आयोग (1917-19) 715
द्वैध शासन के अधीन शिक्षा 717
हार्टोग समिति (1929) 717
शिक्षा पर सार्जेंट योजना 719
देशी-भाषाई (वर्नैक्युलर) या स्थानीय शिक्षा का विकास 721
तकनीकी शिक्षा का विकास 723
अंग्रेजों की शिक्षा नीति का मूल्यांकन 723
सारांश 724

बॉक्स

मूलभूत शिक्षा की वर्धा योजना (1937) 722

31. कृषक आंदोलन (1857-1947) 726

प्रारंभिक कृषक आंदोलनों का सिंहावलोकन 726
नील आंदोलन (1859-60) 727
पाबना विद्रोह (1873-76) 728
दक्कन विद्रोह 729
1857 के पश्चात किसान आंदोलनों का परिवर्तित चरित्र 730
दुर्बलताएं 731
बीसवीं शताब्दी के कृषक आंदोलन 731
किसान सभा आंदोलन 731
एका आंदोलन 732
मोपला विद्रोह 733
बारदोली सत्याग्रह 734
1930-40 के दशक के किसान आंदोलन 735
कीर्ति किसान आंदोलन 735
अखिल भारतीय किसान कांग्रेस/सभा 736
कांग्रेस शासन के अधीन 736
प्रांतों में किसानों की गतिविधियां 737
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान किसान आंदोलन 738
द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात 738
किसान आंदोलनों की उपलब्धियां 740
सारांश 741

32. श्रमिक वर्ग आंदोलन 742

प्रारंभिक प्रयास 742
स्वदेशी आंदोलन के दौरान 745
प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एवं उसके उपरांत 746
एटक की स्थापना 747
ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 748
1920 के दशक के उत्तरार्द्ध में 748
मेरठ षड्यंत्र केस (1929) 749
राष्ट्रवादी आंदोलन में श्रमिकों की भागीदारी 750
कांग्रेसी सरकारों के समय 750
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एवं उसके उपरांत 751

स्वतंत्रता के पश्चात 752
सारांश 752

इकाई 10 अध्याय 33–49

स्वतंत्रता एवं स्वातंत्र्योत्तर विकास

33. नवोदित राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां 753

स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापना 753
स्वतंत्रता पश्चात प्रथम सरकार 754
चुनौतियां 755
रेडक्लिफ सीमा निर्णय और सांप्रदायिक दंगे 755
सीमा आयोग के सम्मुख चुनौतियां 756
सांप्रदायिक दंगों से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र 757
संसाधनों के विभाजन से संबद्ध चुनौतियां 757
सिविल सरकार का विभाजन 758
वित्त का विभाजन 759
सैन्य कर्मियों तथा साजो-सामान का विभाजन 759
महात्मा गांधी की हत्या 759
शरणार्थियों का पुनर्वास एवं बंदोबस्त 760
पूर्वी पंजाब 760
बंगाल 761
अल्पसंख्यकों हेतु दिल्ली पैक्ट 761
भारत में शरणार्थी पुनर्वास केंद्र 762
साम्यवादी (कम्युनिस्ट) और स्वतंत्रता 762
स्वतंत्रता को लेकर साम्यवादी संशयवादी क्यों थे? 763
प्रतिरोधी रणनीति से संवैधानिक लोकतंत्र की ओर कूच 763
सारांश 764

34. भारतीय रियासतें 765

ब्रिटिश शासन तथा रियासतों के बीच संबंधों का क्रमिक विकास 765
संबंधों के पनपने के चरण 765
जनमत संग्रह एवं सैन्य कार्यवाही 770
क्रमिक एकीकरण 771
सारांश 772

35. भारतीय संविधान का निर्माण 773

संविधान सभा की पृष्ठभूमि 773
संविधान सभा 775
रचना एवं प्रकृति 775
संविधान सभा का प्रतिनिधिक स्वरूप 777
संविधान सभा का मूल्यांकन 777
स्वतंत्रता के पश्चात 779
कार्यः समितियां एवं सहमति 779
सारांश 781

36. राष्ट्रवादी विदेश नीति का विकास 782

ऐतिहासिक परिदृश्य 782
1880 से प्रथम विश्व युद्ध तकः साम्राज्यवाद विरोधी एवं एशिया समर्थक भावनाएं 782
प्रथम विश्व युद्ध 783
1920 एवं 1930 के दशक में—समाजवादियों के साथ समीकरण स्थापित करना 784
1936 के पश्चात—फासीवाद विरोधी रवैया 784
स्वतंत्रता के उपरांत 785
पंचशील एवं गुटनिरपेक्षता 786
सारांश 790

बॉक्स

गुटनिरपेक्ष देशों का प्रथम सम्मेलन 788
गुटनिरपेक्षता के प्रमुख लक्ष्य एवं विशेषताएं 789

37. प्रथम आम चुनाव 791

चुनावों के आयोजन हेतु मूलभूत कार्य 791
निर्वाचन आयोग 791
चुनाव हेतु विधान 791
स्वतंत्र भारत के प्रथम चुनाव 792
चुनौतियां 792
चुनावों में भाग लेने वाले राजनीतिक दल 793
चुनावों का आयोजन 795
चुनाव परिणाम 795

सारांश 797

बॉक्स

आम चुनाव (1951-52) में सीट प्राप्त करने वाले दल 796

38. नेहरू के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत (1947-1964) 798

राजनीतिक विकास 798

राष्ट्रीय भाषा को लेकर विचार-विमर्श 799

राज्यों का भाषाई पुनर्गठन 799

अन्य राजनीतिक दलों का विकास 801

एक अलोकतांत्रिक कार्य 805

आर्थिक विकास हेतु नियोजन की अवधारणा 806

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास 807

सामाजिक विकास 808

शिक्षा में विकास 808

नेहरू के अधीन सामाजिक परिवर्तन 809

विदेश नीति 809

भारत के पड़ोसी देशों से संबंध 810

भारत एवं पाकिस्तान 810

भारत और चीन 812

भारत और नेपाल 814

भारत और भूटान 814

भारत और श्रीलंका 814

39. लाल बहादुर शास्त्री का प्रधानमंत्रित्व काल (जून 1964-जनवरी 1966) 815

सरकार की अगुवाई के लिए लाल बहादुर शास्त्री का चयन 815

प्रारंभिक जीवन 816

स्वतंत्रता पश्चात राजनीतिक यात्रा 816

प्रधानमंत्रित्व काल—परिवर्तन के साथ नेहरू की विरासत की निरंतरता 817

चुनौतियां 818

आर्थिक विचार 818

आर्थिक सुधार का एक अग्रदूत 818

हरित क्रांति और श्वेत क्रांति का बीजारोपण 819

एक समय का भोजन त्यागने का विचार 820

नवीन संस्थाएं एवं परियोजनाएं 820

विदेश संबंध 821
भारत-पाकिस्तान युद्ध 821
ताशकंद में शांति समझौता 822
शास्त्री जी की रहस्यमयी मृत्यु 824
बॉक्स
ताशकंद घोषणा 823

40. इंदिरा गांधीः प्रथम चरण (जनवरी 1966-मार्च 1977) 825

प्रारंभिक जीवन 825
स्वतंत्रता पश्चात राजनैतिक जीवन 826
प्रधानमंत्री पद पर 827
कांग्रेस विभाजन और केंद्र में अल्पमत सरकार 827
1971 के चुनाव—इंदिरा गांधी की विजय 828
समस्याएं 829
जे.पी. आंदोलन 829
इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय और आपातकाल लगाया जाना 831
आपातकाल की स्थिति (1975-1977) 832
1977 के चुनाव 835
राजनीतिक व्यवस्था में प्रगति 837
कांग्रेस में परिवर्तन 837
क्षेत्रीय हितों में वृद्धि और राज्यों में विकासक्रम 837
सिक्किम का समामेलन 841
हिंदी विरोधी उपद्रवों के नियंत्रण हेतु भाषा नीति 841
शक्ति का केंद्रीकरण और समाजवादी मार्ग 841
न्यायपालिका के पंख कतरने का प्रयास 842
बयालीसवां संविधान संशोधन अधिनियम—एक संक्षिप्त संविधान 843
सामाजिक-आर्थिक नीतियां 844
अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण 844
राजसी विशेषाधिकारों का उन्मूलन 845
एमआरटीपी अधिनियम 845
समानता कायम करने और निर्धनता उन्मूलन हेतु कदम 846
आर्थिक समस्याओं से जूझना 846
रुपये का अवमूल्यन 847

चौथी पंचवर्षीय योजना 848
हरित क्रांति की सफलता 848
पांचवीं पंचवर्षीय योजना 848
भारत-पाक युद्ध और बांग्लादेश का जन्म 849
पाकिस्तान में 1970 का चुनाव और पूर्वी पाकिस्तान में असंतोष 849
भारत में शरणार्थियों का अंतर्वाह एवं भारतीय प्रत्युत्तर 850
पूर्वी पाकिस्तान का युद्ध एवं मुक्ति 851
शिमला समझौता 852
अन्य देशों के साथ विदेश नीति एवं संबंध 855
बांग्लादेश 855
श्रीलंका 855
सोवियत संघ 856
संयुक्त राज्य अमेरिका 856
पश्चिम एशिया 856
एशिया-प्रशांत 857
अफ्रीका 857
स्माइलिंग बुद्धा 858
बॉक्स
इंदिरा गांधी और जे.पी.—क्या दोनों ही दोषी थे? 830
शिमला समझौते के प्रमुख बिंदु 853
41. जनता पार्टी का शासनकाल (मार्च 1977-जनवरी 1980) 859
मोरारजी देसाई—पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री 859
राज्य विधानमंडल चुनाव 859
भारत के नए राष्ट्रपति 860
जनता पार्टी की लोकप्रियता में कमी और कांग्रेस (आई) का उत्थान 860
चरण सिंह की सरकार का गिरना 862
लोक सभा चुनाव और जनता पार्टी शासन का अंत 862
जनता शासन की विरासत 863
लोकतांत्रिक अधिकारों की पुनः स्थापनाः 863
आर्थिक मतभेद 864
विदेश संबंध 865
सामाजिक परिवर्तन एवं आंदोलन 866

42. इंदिरा गांधीः दूसरा चरण (जनवरी 1980-अक्टूबर 1984) 867

अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण 867
विदेश संबंध 868
श्रीलंका एवं तमिल समस्या 868
पाकिस्तान-सियाचिन संघर्ष 869
गुट-निरपेक्ष आंदोलन 869
राज्यों में असंतोष 870
पंजाब अशांति और ऑपरेशन ब्लू स्टार 870
इंदिरा गांधी की हत्या 872
विरासत 872
बॉक्स
अंतरिक्ष में भारत के अंतरिक्ष यात्री 868

43. राजीव गांधी का प्रधानमंत्रित्व काल (अक्टूबर 1984-दिसंबर 1989) 874

प्रधानमंत्री पद संभालते ही समस्याओं की शुरुआत 874
सिख-विरोधी दंगे 874
भोपाल गैस त्रासदी 875
1985 के आम चुनाव 876
राज्यों में तनाव से निपटना 876
घरेलू मोर्चे पर उठाए गए सकारात्मक कदम 878
दल-बदल विरोधी कानून 878
पर्यावरण संबंधी कानून 878
स्थानीय सरकार में सुधार 879
अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की ओर प्रथम कदम 879
प्रौद्योगिकी मिशन 879
कंप्यूटरीकरण 880
शिक्षा नीति 880
नकारात्मक पहलू 881
शाहबानो प्रकरण 881
बाबरी मस्जिद का दरवाजा खोलने का मामला 882
बोफोर्स घोटाला 883
किसान असंतोष 884

विदेश संबंध 884
भारत और चीन 885
श्रीलंका में आईपीकेएफ दुर्घटना 885
1989 के आम चुनाव 887

44. वी.पी. सिंह और चंद्र शेखर का शासनकाल (1989-1991) 888

वी.पी. सिंह की सरकार (दिसंबर 1989—नवंबर 1990) 888
कश्मीर के बेकाबू हालात 888
मंडल आयोग की रिपोर्ट का क्रियान्वयन 889
मंडल से मंदिरः रथ यात्रा और सरकार का पतन 890
चंद्र शेखर सरकार (नवंबर 1990-जून 1991) 891
अशांत अर्थव्यवस्था 891
1991 के चुनाव 892

45. नरसिम्हा राव का प्रधानमंत्रित्व काल (1991-1996) 893

आर्थिक सुधार 893
पंचायती राज एवं नगरपालिका अधिनियम 895
सुरक्षा मामलों एवं अंतरिक्ष तकनीक को संभाला 895
विदेश नीति 895
नकारात्मक पहलू 896
बाबरी मस्जिद विध्वंस 896
भ्रष्टाचार संबंधी घोटाले 898
कश्मीर 899
1996 के आम चुनाव 899
दलित स्वरों का मुखर होना 900

46. तीन वर्षों में तीन प्रधानमंत्रियों का शासन 901

प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी का अल्पकाल 901
राष्ट्रीय मोर्चा सरकारः देवेगौड़ा एवं आई.के. गुजराल 901
देवेगौड़ा सरकार (1996—97) 901
गुजराल सरकार (1997—98) 902
आम चुनाव 903

47. एनडीए सरकार (1998-2004) 904

एनडीए सरकारः पहला कार्यकाल (मार्च 1998—अक्टूबर 1999) 904
पोखरण-IIः ऑपरेशन शक्ति 905
लाहौर सम्मेलन 905
कारगिल युद्ध (1999) 906
एनडीए सरकारः दूसरा कार्यकाल (अक्टूबर 1999-मई 2004) 906
आर्थिक एवं सामाजिक कदम 907
आतंकवादी मुसीबतें और पाकिस्तान से संबंध 907
अमेरिका से संबंध 908
कश्मीर चुनाव 908
नकारात्मक पहलू 908
एनडीए का महत्व 909
2004 के आम चुनाव 909

48. यूपीए सरकार (2004-2014) 910

यूपीए सरकार का प्रथम कार्यकाल (मई 2004-मई 2009) 910
सामाजिक कल्याण एवं अन्य सुधार संबंधी कदम 910
विदेश संबंध 911
नया राष्ट्रपति 912
आतंकी हमले 912
राज्यों में स्थिति 913
कश्मीर में बिगड़ते हालात 913
2009 के चुनाव 914
यूपीए सरकारः द्वितीय कार्यकाल (मई 2009-मई 2014) 914
तेलंगाना मुद्दा 914
पश्चिम में ऐतिहासिक परिवर्तन 915
सामाजिक कल्याण संबंधी कदम एवं कानून 915
मंगल के लिए अंतरिक्ष अभियान 918
भ्रष्टाचार आरोप एवं लोकपाल अधिनियम 918
आम चुनाव से पूर्व की दशाएं 921
2014 के आम चुनाव 921

49. एनडीए सरकार (2014 से अभी तक) 923

एनडीए सरकार (मई 2014-मई 2019) 923
डिजिटल इंडियाः ई-गवर्नेंस की दिशा में एक कदम 923
सामाजिक-आर्थिक नीतियां और कार्यक्रम 924
सुरक्षा 931
विदेश संबंध 934
सामाजिक स्थिति 936
आम चुनाव 2019 938
एनडीए ने पुनः सरकार बनाई 938
एनडीए की विजय के कारक 939
एनडीए के दूसरे कार्यकाल में कतिपय उल्लेखनीय कार्य 940
देश में कोविड-19 महामारी का प्रभाव 943
स्वतंत्रता का 75वां वर्ष (2021-22) 946

परिशिष्ट 947

1. भारत के गवर्नर-जनरल तथा वायसरायः उनके शासनकाल की महत्वपूर्ण घटनायें 947
2. राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न चरणों से संबद्ध व्यक्तित्व 957
3. महिला स्वतंत्रता सेनानी 976
4. राष्ट्रवादी दौर के प्रसिद्ध अभियोग/केस 995
5. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन (1885-1950) 997
6. जातीय आंदोलन 1001
7. ब्रिटिश शासनकाल के प्रमुख कानून 1003
8. ब्रिटिश शासनकाल के प्रमुख शिष्टमंडल 1004
9. ब्रिटिश काल में विदेशों पर अधिकार 1005
10. भारतीय क्रांतिकारी संगठन 1006
11. प्रमुख नारे 1007
12. आधुनिक भारत में अकाल आयोग/समितियां 1009
13. ब्रिटिश शासनकाल में अर्थव्यवस्था व वित्त संबंधी आयोग एवं समितियां 1010
14. समाचार-पत्र एवं जर्नल्स 1012

संदर्भ 1016